फसल : मडुआ

खरीफ (मडुआ, साँवा, कोदो) एवं गरमा (चीना) - खेत का चुनाव: अच्छी पैदावार के लिए दोमट भूमि सर्वोत्तम रहती है। पहाड़ी स्थानों पर पायी जाने वाली कंकरीली, पथरीली, ढालू मृदा पर अन्य फसलों की अपेक्षा मोटे धान्य की अच्छी उपज प्राप्त होती है। जहाँ जल निकास का अच्छा प्रबंध हो, वहाँ पर भली प्रकार उगाई जा सकती है। इन्हें ऊपर वार भूमि में भी उगाया जा सकता है।

उन्नत प्रभेद :

खरीफ मडुआ :

1. **बिरसा मडुआ - 2 :** औसत उपज 24-26 क्विंटल/हेक्टर । तैयार होने की अवधि 105-110 दिन।
2. **A-407 :** औसत उपज 30-32 क्विंटल/हेक्टर। तैयार होने की अवधि 115-125 दिन।
3. **आर.यू. 8 :** औसत उपज 30-35 क्विंटल/हेक्टर। तैयार होने की अवधि 105-110 दिन।

बीज दर : 8-10 किलोग्राम प्रति हेक्टर

बोआई का समय : मध्य जून से बिचड़े के लिये बीज नर्सरी में गिरा दें। तीन-चार सप्ताह बाद बिचड़े को उखाडकर रोपनी करें।

बोआई विधि : बोआई की दूरी : पंक्ति से पंक्ति 15-20 सेमी. पौधा से पौधा 10-15 सेमी. तथा गहरा 2 से 3 सेमी. ।

खाद एवं उर्वरक : (प्रति हेक्टर) 40 किलोग्राम नाइट्रोजन, 30 किलोग्राम फास्फोरस एवं 20 किलोग्राम पोटाश अर्थात रोपते समय यूरिया 15 किलोग्राम, 66 किलोग्राम डी.ए.पी. तथा 34 किलोग्राम एम.ओ.पी. (प्रति हेक्टर)। रोपाई के 20 दिन बाद 22 किलोग्राम यूरिया तथा शेष 25 किलोग्राम यूरिया रोपाई के 35 से 40 दिन पर पौधों की उपलब्ध करायें।